# भारतीय भाषा संस्थान
## (शिक्षा मंत्रालय)

उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार
मानसगंगोत्री, हूणसूर रोड, मैसूर-570006

**F.No.** F.No. CESCK/ PD / Recruitment/2022 Date 22/07/2022

### शास्त्रीय कन्नड़ अध्ययन केंद्र हेतु परियोजना कर्मी की आवश्यकता

कन्नड़ को शास्त्रीय दर्जा प्राप्त होने के बाद भारत सरकार द्वारा स्थापित शास्त्रीय कन्नड़ अध्ययन केन्द्र (सीईएससीके) को 'संविदा के आधार पर' निम्नलिखित पद पर कर्मी की आवश्यकता है--

सीईएससीके भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा चिन्हित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों पर कार्य करेगा, जैसे—शास्त्रीय कन्नड़ में शोध, अभिलेखन और शिक्षण। यह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विदेशों के व्यक्तियों/संस्थानों द्वारा किए गए ऐसे कार्यों का समन्वयन भी करेगा और विश्व की अन्य शास्त्रीय भाषाओं में हुए अध्ययनों के सूत्र भी प्रदान करेगा।

| क्र.सं. | पद का नाम | पदों की सं. | एकमुश्त मासिक परिलब्धियाँ/मानदेय |
|---|---|---|---|
| | शैक्षणिक पद | | |
| 1 | परियोजना निदेशक | 01 | रु.70,000/- |

**परियोजना निदेशक:**

परियोजना निदेशक भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के निदेशक के पर्यवेक्षण और निर्देशन में कार्य करेगा जो सीईएससीके के नोडेल अधिकारी हैं और वह शास्त्रीय कन्नड़ के उत्थान हेतु कर्नाटक सरकार के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगा। वह सीईएससीके की विभिन्न गतिविधियों और लक्ष्यों की योजना बनाने में सहयोग करेगा और यह भी देखेगा कि इस प्रक्रिया में संलग्न व्यक्ति इसे उच्च स्तर की गुणवत्ता और प्रभाविता के साथ संपन्न करें। इस पद के साथ जुड़े वित्तीय दायित्व विभिन्न गतिविधियों के लिए योजना और बजट बनाने तक ही सीमित हैं। उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह परियोजना प्लानिंग-सह-अनुश्रवण बोर्ड (पीएमबी) एवं अन्य बैठकों के आयोजनों से संबंधित सभी गतिविधियों का समन्वयन करेगा जो नोडेल अधिकारी के अनुमोदन से होगा। उसे अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक एवं अन्य शोध संस्थानों आदि के साथ अंतःक्रिया भी करनी होगी, जिससे सीईएससीके के कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके।

परियोजना निदेशक की नियुक्ति संविदा के आधार पर एक वर्ष के लिए होगी जिसे वार्षिक समीक्षा के आधार पर अधिकतम् 3 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है। इस पद के लिए एक मुश्त वेतन रु. 70000/- प्रति माह तय है। इस पद हेतु आवदेन करने के इच्छुक उम्मीदवारों की आयु आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को 65 वर्ष से कम होनी चाहिए.

**शैक्षणिक योग्यताएँ**

कन्नड़ भाषा से संबंधित भाषाविज्ञान या साहित्य में डॉक्टोरल उपाधि के साथ किसी ख्यात संस्था या शैक्षणिक संस्थान में शोध/शिक्षण का कम से कम 15 वर्षों का अनुभव तथा कम से कम 3 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव। सीईएससीके के संचालन हेतु केन्द्र सरकार के नियमों एवं उप-नियमों का ज्ञान आवश्यक है। प्रत्याशी को गतिशील, अनुसंधान, उन्मुख और इस केन्द्र का इसके लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुसार नेतृत्व करने में सक्षम

होना चाहिए। उसे 30 डॉक्टोरल एवं पोस्ट डॉक्टोरल शोध-प्रज्ञों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ फेलो एवं 6 कार्यालय कर्मियों का समन्वयन/पर्यवेक्षण करना होगा।

**वांछनीय :** शास्त्रीय कन्नड़ भाषा का ज्ञान अपेक्षित है।

**परियोजना निदेशक के दायित्व एवं कर्त्तव्य :**

i. यद्यपि परियोजना निदेशक सीईएससीके का प्रधान होगा तथापि उसे केंद्र की गतिविधियों के कार्यान्वयन के बारे में और जहाँ तक सीईएससीके के वित्तीय एवं प्रशासनिक विषयों का संबंध है। उसके बारे में निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान को प्रतिवेदित करना होगा जो कि सीईएससीके के नोडेल अधिकारी एवं आवंटन प्राधिकारी है।

ii. परियोजना निदेशक, सीईएससीके नोडेल अधिकारी की तरफ से पीएमबी के निर्णयों का पर्यवेक्षण, अनुश्रवण एवं अनुपालन करेगा। उससे यह भी अपेक्षा की जाएगी कि वह प्रत्येक माह की 3 तारीख या अगले कार्य दिवस को परियोजना में हुई प्रगति का मासिक प्रतिवेदन नोडेल अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

iii. सीईएससीके के परियोजना निदेशक के लिए यह आवश्यक होगा कि वह नोडेल अधिकारी के अनुमोदन से सीईएससीके की एवं पीएमबी की बैठकों का आयोजन करें।

iv. परियोजना निदेशक सीईएससीके के बजट का निर्माण करेगा।

v. परियोजना निदेशक, सीईएससीके अपने केंद्र और सीआईआईएल द्वारा उसके कार्यभार में दिए गये अभिलेखों, प्रकाशनों/ई-प्रकाशनों एवं अन्य परिसंपत्तियों का संरक्षक होगा।

vi. परियोजना निदेशक, सीईएससीके, समझौता-पत्रों, सहयोग-पत्रों, एमओयू एवं कार्यावंटनों आदि के लिए आधारभूत कार्य एवं पत्राचार आदि करेगा।

vii. परियोजना निदेशक, सीईएससीके, नोडेल अधिकारी द्वारा समय-समय पर दी गई किसी भी जिम्मेवारी का निर्वहण करेगा।

**नियम एवं शर्तें**

01. शास्त्रीय कन्नड़ अध्ययन केंद्र भारत सरकार की एक पहल है जिसमें पदों का संविदा आधार पर भरे जाने की आवश्यकता है।

02. निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान सीईएससीके के परियोजना कर्मियों का नियुक्ति प्राधिकारी है और उनकी सेवाओं के संतोषजनक न पाए जाने पर या उनकी किसी दुर्व्यवहार या कोष के दुरुपयोग में संलिप्तता होने पर उन्हें कार्यमुक्त करने का भी अधिकारी है।

03. प्रशासनिक कर्मी का सेवाकाल प्रारंभ में एक वर्ष के लिए होगा जिसे उसके निष्पादन और वार्षिक समीक्षा के आधार पर बढ़ाया जा सकता है।

04. योग्य एवं इच्छुक प्रत्याशी रूपरेखा एवं अन्य संलग्नकों के साथ अपना आवेदन पत्र निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) मानसगंगोत्री, हुणसूर रोड, मैसूर-570006 को प्रेषित कर सकते हैं।

05. इच्छुक अभ्यर्थी संलग्नकों सहित अपना आवेदन ऑनलाइन आवेदन पोर्टल https://apply.ciil.org पर भी जमा करवा सकते हैं या ada-ciilmys@gov.in पर भी भेजा जा सकता है।

06. आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 15 अगस्त, 2022 है।

07. नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

08. किसी भी आवेदन को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित है और इस संबंध में संस्थान का निर्णय अंतिम होगा।

09. अपवाद रूप से सक्षम प्रत्याशियों के मामले में अर्हता मानदंडों को शिथिल करने का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित है।

10. अपूर्ण एवं नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

11. सेवारत उम्मीदवार अपने आवेदन को अपने नियोक्ता से अग्रेषित करवा कर अधोहस्ताक्षरी को नियत तिथि के भीतर भेज सकते हैं।

12. साक्षात्कार में शामिल होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता देय नहीं होगा।

13. आवेदन पत्र को सीआईआईएल के वेबसाइट (www.ciil.org) से डाउनलोड किया जा सकता है।

14. किसी उम्मीदवार के चयन अथवा अन्यथा के संदर्भ में सक्षम पदाधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

**कार्यस्थल** – मैसूर-कर्नाटक राज्य

उपरोक्त पद पर चयन हेतु अंतर्वीक्षा के समय एवं स्थान के बारे में अर्ह एवं लघु सूचीबद्ध प्रत्याशियों को सूचना दी जाएगी।

## शास्त्रीय कन्नड़ अध्ययन केंद्र के लिए उपरोक्त सभी पदों हेतु विस्तृत अधिसूचना

| क्र.सं. | पद का नाम | पदों की सं. | एक मुश्त मासिक परिलब्धि/मानदेय | आयु सीमा वर्ष | शैक्षणिक एवं अनिवार्य योग्यताएँ | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | **शैक्षणिक पद** | | | |
| 1 | परियोजना निदेशक | 01 | 70,000 | 65 वर्ष से अधिक नहीं | ***शैक्षणिक योग्यताएँ:***<br>1) कन्नड़ भाषा से संबंधित भाषाविज्ञान या साहित्य में पीएच.डी. की उपाधि, तथा किसी ख्यात संगठन या शैक्षणिक संस्थान में शोध/शिक्षण का न्यूनतम 15 वर्षों का अनुभव तक कम से कम 3 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव<br><br>2) सीईएससीके के संचालन हेतु केंद्र सरकार के नियमों एवं उप-नियमों का ज्ञान आवश्यक है। प्रत्याशी को गतिशील, अनुसंधानोन्मुख एवं केंद्र का इसके लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुसार नेतृत्व करने में सक्षम होना चाहिए। उसे 30 शोध-प्रज्ञों, डॉक्टोरल एवं पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ शोध- | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | प्रज्ञों और 6 कर्मियों का समन्वयन/पर्यवेक्षण करना होगा। | |